राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर

कोर्स रिपोर्ट

TOT

on

"Improvement in Police Behavoiur Course"

राजस्थान पुलिस अकादमी, जयपुर में दिनांक 16.09.2019 से 19.09.2019 तक श्रीमान् हेमन्त प्रियदर्शी, निदेशक, आरपीए, जयपुर के मार्गदर्शन व अभिप्रेरण के फलस्वरूप **"Improvement in Police Behavoiur"** विषय पर चार दिवसीय टी.ओ.टी. कोर्स का आयोजन किया गया। इस कोर्स में राजस्थान पुलिस के उप अधीक्षक पुलिस (01), पुलिस निरीक्षक (19), कम्पनी कमांडर (03) एवं उप निरीक्षक (01) स्तर के कुल 24 अधिकारियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम दिवस के प्रथम सत्र में श्रीमती रानू शर्मा, अति0 पुलिस अधीक्षक द्वारा सम्पूर्ण कोर्स की जानकारी प्रदान करते हुये प्रतिभागियों से दो तरफा सम्प्रेषण के उद्देश्य से रूबरू करवाया गया । द्वितीय सत्र में श्री मनीष अग्रवाल, उप निदेशक एवं प्राचार्य, आरपीए, जयपुर द्वारा सभी प्रतिभागियों के रोल प्ले सबंधी चर्चा एवं टीम गठन बाबत ब्रिफिंग की गई । कोर्स डायरेक्टर श्री कप्तान सिंह पुलिस निरीक्षक द्वारा प्रतिभागियों से सकारात्मक एवं नकारात्मक रोल प्ले करवाया, जिसके फोटोग्राफर श्री सागर मल कानिस्टेबल आरपीए द्वारा फिल्मांकन किया गया । तृतीय सत्र श्री कैलाश चन्द्र, उप महानिरीक्षक पुलिस, आरपीए, जयपुर द्वारा पुलिस प्रणाली में आदर्श पुलिस व्यवहार के उद्देश्य, पुलिस कार्य के दौरान, सकारात्मक व नकारात्मक मानव व्यवहार संबंधी विभिन्न पहलूओं का विश्लेषण करते हुये, आदर्श पुलिस व्यवहार संबंधी विषय पर व्याख्यान दिया गया ।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र में कोर्स डायरेक्टर श्री कप्तान सिंह पुलिस निरीक्षक ने सभी प्रतिभागियों को सवाई मानसिंह अस्पताल,जयपुर में भ्रमण करवाया । जहां अपने कार्य सम्पादन के दौरान सहानुभूतिपूर्वक व्यवहार से जनता की सुनवाई करते हुये सेवा को अन्जाम दिये जाने संबंधी विभिन्न पहलूओं को प्रतिभागियों ने समझा । भ्रमण के पश्चात कोर्स डायरेक्टर द्वारा, भ्रमण के दौरान, प्रतिभागियों द्वारा आंकलन किये गये विभिन्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श किया गया । सांयकालीन सत्र में प्रोफेसर श्री रमेश के. अरोडा, चेयरमैन, मेनेंजमेंट डवलपमेन्ट अकादमी, जयपुर द्वारा मानव व्यवहार की आलोचना, प्रशंसा, समालोचना संबंधी विषय पर व्याख्यान देते हुये सकारात्मक मानव दृष्टिकोण अपनाने संबंधी विभिन्न पहलूओं पर प्रकाश डाला ।

कोर्स आयोजन के तृतीय दिन श्री हेमन्त प्रियदर्शी, डायरेक्टर, आरपीए द्वारा विभिन्न प्रतिभागियों से परिचय करते हूये टी.ओ.टी. कोर्स का उद्देश्य, कोर्स को पूर्ण करने के पश्चात सीखे गये नये मानवीय सकारात्मक पहलूओं को अपने कार्य क्षेत्र में लागू करने व अन्य मुलाजमानों को प्रशिक्षित करने संबंधी कार्ययोजना तैयार करने हेतु निर्देशित किया । श्री हेमन्त नाहटा, अधिवक्ता द्वारा जनता की पुलिस सकारात्मक मानव व्यवहार की अपेक्षा व वास्तविक धरातल पर उपलब्ध पुलिस सहायता संबंधी विषयों एवं एक पुलिसकर्मी को अपने कर्तव्य पालन में खरा उतरने हेतु सकारात्मक अभिप्रेरण पर व्याख्यान दिया । द्वितीय सत्र में श्री कैलाश चन्द्र, उप महानिरीक्षक पुलिस, आरपीए, जयपुर द्वारा एक पुलिस अधिकारी द्वारा अपने कर्तव्य पालन के दौरान सम्प्रेषण एवं सकारात्क पुलिस दृष्टिकोण अपनाते हूये कार्य करने संबंधी विषय पर प्रकाश डाला । अन्तिम सत्र में श्री अशोक शर्मा, एसोसिऐट प्रोफेसर, राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा पुलिस का जनता के साथ सकारात्मक संबंध, पुलिस व जनता का आपसी सहयोग एवं पुलिस का जनता के साथ मित्रवत व्यवहार संबंधी विषय पर व्याख्यान दिया ।

कोर्स आयोजन के चतुर्थ दिवस में प्रथम सत्र श्री एम.एम. अत्रे, महानिरीक्षक पुलिस (सेवानिवृत्त) द्वारा पुलिस व्यवहार, मानव व्यवहार एवं लोक व्यवस्था व कानून व्यवस्था में अन्तर, विधि का शासन, पुलिसकर्मी द्वारा अपने अधिकारों का सदुपयोग संबधी विषय पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई ।

द्वितीय सत्र में श्री कप्तान सिंह पुलिस निरीक्षक, आरपीए, जयपुर द्वारा पुलिस का जनता के साथ सद्भावनापूर्वक व्यवहार एवं परिपक्व जनतंत्र की आवश्यकता संबंधी विषय के विभिन्न पहलूओं पर जानकारी प्रदान की गई । प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम सत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल समस्त प्रतिभागियों से समग्र कोर्स का मूल्यांकन प्रपत्र भरवाया गया एवं सभी प्रतिभागियों द्वारा प्राप्त किये गये प्रशिक्षण को अपने कार्य क्षेत्र में लागू करने के लिए अपनाई जाने वाली कार्ययोजना का विवरण प्रस्तुत किया गया ।

कोर्स का समापन-समारोह अकादमी स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल नं.04 में श्रीमान निदेशक आरपीए, जयपुर श्री हेमन्त प्रियदर्शी एवं अतिरिक्त निदेशक श्री कैलाश चन्द्र की उपस्थिति में किया गया । श्रीमान ने उपरोक्त प्रतिभागियों द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना के बारे में जानकारी प्राप्त कर उचित मार्ग दर्शन एवं दिशा निर्देश प्रदान किए। निदेशक महोदय के उदबोधन के पश्चात प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये । प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्त में कोर्स डायरेक्टर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर कोर्स समाप्ति की घोषणा की गई ।